श्री साईँ बाबा जी की आरती
आरती उतारे हम तुम्हारी साईँ बाबा ।
चरणों के तेरे हम पुजारी साईँ बाबा ॥
विद्या बल बुद्धि, बन्धु माता पिता हो ।
तन मन धन प्राण, तुम ही सखा हो ॥
हे जगदाता अवतारे, साईँ बाबा ।
आरती उतारे हम तुम्हारी साईँ बाबा ॥
ब्रह्म के सगुण अवतार तुम स्वामी ।
ज्ञानी दयावान प्रभु अंतरयामी ॥
सुन लो विनिती हमारी साईँ बाबा ।
आरती उतारे हम तुम्हारी साईँ बाबा ॥
आदि हो अनंत त्रिगुणात्मक मूर्ति ।
सिधु करुणा के हो उद्धारक मूर्ति ॥
शिरिडी के संत चमत्कारी साईँ बाबा ।
आरती उतारे हम तुम्हारी साईँ बाबा ॥
भक्तों की खातिर, जनम लिये तुम ।
प्रेम ज्ञान सत्य स्नेह, मरम दिये तुम ॥
दुखिया जनों के हितकारी साईँ बाबा ।
आरती उतारे हम तुम्हारी साईँ बाबा ॥